हिन्दुस्तान 26-04-2017

इथोपिया में शार्ट ड्यूरेशन प्रोग्राम चलाएगा एनएसआई

कानपुर | कार्यालय संवाददाता

इथोपिया में राष्ट्रीय शर्करा संस्थान शार्ट ड्यूरेशन प्रोग्राम चलाएगा। वहां के लोगों को तकनीकी दक्ष करने के लिए टीम जाएगी। इसको लेकर इथोपिया (अफ्रीका) के तीन सदस्यीय प्रतिनिधि मण्डल और राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के निदेशक के बीच एमओयू हो गया है। इससे पहले प्रतिनिधि मण्डल ने संस्थान के अनुसंधान, लैब समेत इथेनॉल यूनिट का निरीक्षण किया।

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में मंगलवार को इथोपिया की टीम निरीक्षण किया।

इथोपिया (अफ्रीका) से सीईओ एडवाइजर मंगजीसाब जी खिदान, सीईओ योहानिस मेकुनिट और ट्रेनिंग डायरेक्टर जमील अमान सोमवार को कानपुर पहुंचे। उन लोगों ने दो दिन तक राष्ट्रीय शर्करा संस्थान का विस्तृत निरीक्षण किया। जीव रसायन, कार्बनिक रसायन, शर्करा रसायन, इथेनॉल यूनिट, नैनो ब्रीबरी के बारे में अधिक रुचि दिखाई। संस्थान के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने बताया कि प्रतिनिधि मण्डल के साथ एमओयू हो गया है। एनएसआई इथोपिया के लोगों को प्रशिक्षित करने के लिए शार्ट ड्यूरेशन प्रोग्राम चलाएगा। साथ ही एक सहयोगात्मक रिसर्च का काम भी चलेगा। एनएसआई का सबसे अहम किरदार शुगर एकेडमी खोलने और इथोपियन शुगर कार्पोरेशन को सहयोग देने का होगा। निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने बताया कि संस्थान के एक्सपर्ट अभी तक कीनिया, थाईलैंड और भूटान में प्रशिक्षण कार्यक्रम चला चुके हैं।

My City 26-04-2017

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान विदेश में घोलेगा शक्कर की मिठास

एनएसआई की टीम की मदद से इथोपिया में डेवलप किया जाएगा शुगर इंस्टीट्यूट

अमर उजाला ब्यूरो

कानपुर।

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान (एनएसआई) की मदद से इथोपिया में भी शुगर इंस्टीट्यूट की नींव डाली जाएगी। इसके लिए एनएसआई और इथोपिया सरकार के बीच सहमति पत्र पर मंगलवार को समझौता भी हो गया। वहीं जब तक इंस्टीट्यूट डेवलप नहीं हो जाता, तब तक यहां के प्रोफेसर इथोपिया में शक्कर की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए शॉर्ट टर्म कोर्स चलाएंगे। ये कोर्स एनएसआई के अलावा इथोपिया में चलेंगे। वहीं इथोपिया के प्रतिनिधिमंडल में शामिल चीफ एग्जिक्यूटिव ऑफिसर मंगजीसाब जी खिदान, योहानिस मेनकुनिट और जमील अमान ने एनएसआई की प्रयोगशाला में पहुंचकर रिसर्च की जानकारी भी हासिल की।

प्रेसवार्ता में जानकारी देते राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के निदेशक नरेन्द्र मोहन।

एनएसआई के निदेशक प्रोफेसर डॉ. नरेंद्र मोहन ने मंगलवार को बताया कि मौजूदा समय में इथोपिया में एक भी शुगर इंस्टीट्यूट नहीं हैं। वहां की सात चीनी मिलों में सिर्फ 3.70 लाख टन उत्पादन है। इस उत्पादन को 40 लाख मीट्रिक टन करने और युवाओं को रोजगार देने के लिए इथोपिया सरकार एनएसआई की मदद से अपने देश में एक शुगर इंस्टीट्यूट खोलना चाहती है। यहां से प्रोफेसर और इंजीनियरों की एक टीम इथोपिया निरीक्षण करने जाएगी और यूनिवर्सिटी डेवलप करने में मदद करेगी।

The Pioneer 26-04-2017

Ethiopian Sugar Corporation team visits NSI

ONEER NEWS SERVICE ■ KANPUR

A three-member delegation from Ethiopian Sugar orporation, Ethiopia arrived the National Sugar Institute n a two day tour on Tuesday.

The delegation comprised engisab G/Kidan (Chief xecutive Office Advisor), ohannis Mekuanint (CEO of &D) and Jemal Aman Training Director). The delete held a special session with e Director of the NSI, Prof arendra Mohan and senior fficers of the institute.

The Director detailing bout the various activities of e sugar institute he apprised e delegation of the number of e Indian and foreign nations trained at the institute and lvisory, extension and other rvices rendered by the institute. He also discussed the search work being carried out the various division of the stitute and apprised the delegation about the services rendered by the institute to the ugar mills of Kenya for nprovement of technical efficiency.

Aman delivered a presentation in which he told that the irrent production of sugar in thiopia was 3.70 lakh tonne nly which was to be increased 40 lakh tonnes and number f sugar factories were to be creased to 17 from the existing seven for which considerable about manpower shall be required which was not available in Ethiopia resulting in decreased technical efficiency of sugar mills there.

The delegation sought the co-operation of NSI for opening of a Sugar Academy at Ethiopia.

The delegation then visited the different laboratories of the institute and gathered information about the research work at the biochemistry, organic chemistry and sugar chemistry divisions. The delegation also evinced keen interest in the ethanol unit and nanobrewery at the biochemistry division.

Finally a MOU (Memorandum of Understanding) was signed between the Institute and delegation for increasing the technical efficiency of sugar mills of Ethiopia, better utilisation of co-products etc. in addition to help the Sugar Corporation in setting up of a Sugar Academy in Ethiopia. For the time being the institute proposed to run a short-term training programme at the Institute for manpower development of Ethiopian nationals. The delegation then visited library, instrument laboratory, sugar technology laboratory, BSS, farm and hostels of the institute and acquatinted themselves with the facilities available.

NSI Director, Prof Narendra Mohan interacts with the Ethiopian delegation which visited the institue on Tuesday. Pioneer

iNext 26-04-2017

इथोपिया से कंसलटेंसी फीस लेगा NSI

- इथोपियन शुगर कॉरपोरेशन ने NSI से मिलाया हाथ, कंसलटेंसी के एवज में देगा 50 लाख
- इथोपिया में 40 लाख टन की शुगर डिमांड, प्रोडक्शन होता है सिर्फ 3.70 लाख टन

kanpur@inext.co.in

KANPUR (25 April): एशिया का प्रॉमिनेंट नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट अब इथोपियन शुगर कॉरपोरेशन को टेक्निकल कंसलटेंसी देगा. इसके लिए ट्यूजडे को इथोपियन डेलीगेशन ने एनएसआई से करार कर लिया है. टेक्निकल कंसलटेंसी से एनएसआई को करीब 50 लाख रुपए का फायदा होगा. यही नहीं एनएसआई की मदद से इथोपिया में मैन पॉवर को ट्रेंड करने के लिए शुगर एकेडमी खोली जाएगी. इथोपिया में इस टाइम करीब 40 लाख टन शुगर की डिमांड है. जबकि वहां की 7 शुगर मिलें सिर्फ 3.70 लाख टन शुगर का प्रोडक्शन कर पाती हैं. यह जानकारी नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट के डायरेक्टर प्रो नरेन्द्र मोहन ने दी.

प्रोडक्शन बढ़ाने में करेगा मदद

एनएसआई के डायरेक्टर ने बताया कि इथोपियन शुगर कॉरपोरेशन के चीफ एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर मंगजीसाब जी खिदान की मंशा है कि एनएसआई उनकी शुगर मिलों की प्रोडक्शन कैपेसिटी बढ़ाने में मदद करे. साथ ही साथ न्यू शुगर इंडस्ट्री स्थापित करने में टेक्निकल कंसलटेंसी दे. इथोपियन डेलीगेशन की कोशिश है कि शुगर प्रोडक्शन की कैपेसिटी 3.70 से बढ़ाकर 46 लाख टन कर दी जाए. इसके लिए 10 न्यू शुगर इंडस्ट्री भी लगाने की तैयारी की जा रही है.

विदेशी चला रहे शुगर इंडस्ट्री

इथोपिया में शुगर एकेडमी खोलने में एनएसआई मदद करेगा. एनएसआई के रिटायर प्रोफेसर इथोपिया शुगर एकेडमी में एक बार फिर से पढ़ाने का काम करेंगे. जब तक शुगर एकेडमी नहीं शुरू हो जाएगी तब तक शॉर्ट ड्यूरेशन के ट्रेनिंग प्रोग्राम इथोपिया व एनएसआई में शुरू कर दिए जाएंगे. अभी इथोपिया की शुगर मिलों को विदेशी कंपनियां चला रही हैं, जिसकी वजह से समस्या बनी हुई है. इथोपिया की 7 शुगर मिलों से 30 मेगावॉट पावर एक्सपोर्ट हो रहा है.

दैनिक जागरण 26-04-2017

इथोपिया में उत्पादन बढ़वाएगा एनएसआइ

जागरण संवाददाता, कानपुर : चीनी उत्पादन की लगातार नई तकनीक ईजाद कर रहा राष्ट्रीय शर्करा संस्थान (एनएसआइ) अब चीनी उत्पादन बढ़ाने में इथोपिया की भी मदद करेगा। कानपुर में भारत के इकलौते शर्करा संस्थान ने विदेशी मानव संसाधन को भी प्रशिक्षित करने के लिए करार किया है।

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान चीनी उत्पादन संबंधी तकनीक में वर्तमान में कई देशों को तकनीक मशविरा दे रहा है। इसी कड़ी में अब इथोपिया भी जुड़ गया है। दो दिवसीय दौरे पर कानपुर आए इथोपिया शुगर कॉरपोरेशन के सीईओ मंगजीसाब जी. खिदान, एग्जीक्यूटिव ऑफिसर योहानिस मेकुनिट और ट्रेनिंग डायरेक्टर जमील अमान ने यहां संस्थान के इंतजाम और प्रयोगशालाएं देखीं। मंगलवार को एनएसआइ निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की। इसके बाद प्रेसवार्ता में निदेशक ने बताया कि इथोपिया में अभी सात चीनी मिलें 3.70 लाख मीट्रिक टन चीनी उत्पादन कर रही हैं। अब मिलों की संख्या 17 कर यह देश उत्पादन लगभग चालीस लाख मीट्रिक टन करना चाहता है।

मगर, वहां मानव संसाधन तकनीकी प्रशिक्षित न होने की वजह से क्षमता प्रभावित हो रही है। चीनी उत्पादन बढ़ाने, नई मिलें खोलने के साथ ही वह वहां शुगर एकेडमी खोलना चाहते हैं। इसके लिए इथोपिया ने राष्ट्रीय शर्करा संस्थान से सहयोग मांगा है।

निदेशक ने बताया कि प्रतिनिधिमंडल के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर हो गए हैं। अब जरूरतों और संभावनाओं का आकलन करने के लिए जल्द ही संस्थान के सदस्य इथोपिया जाएंगे। तय हुआ कि वहां एकेडमी खुलने तक शॉर्ट टर्म ट्रेनिंग प्रोग्राम चलाए जाएंगे। यह प्रोग्राम इथोपिया और भारत, दोनों देशों में चलाए जाएंगे। इस विषय पर सहयोग के लिए आगे की रूपरेखा मंत्रालय स्तर पर स्वीकृति के बाद बनाई जाएगी।